No. of Printed Pages : 4

MTT-011 F2F

M.A. IN TRANSLATION STUDIES (MATS)

00202

Term-End Examination

December, 2011

MTT-011 F2F : HISTORY AND TRADITIONS OF TRANSLATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *All questions carry **equal marks**. Please answer **any five** of the following questions.*

1. Reviewing the ancient culture of translation in India, describe the contribution of translated ancient works in enriching the tradition of translation.

2. Underlining the importance and history of Chinese translation of Indian texts, give your opinion on the importance of translation work.

3. Underlining the inter - relation between Budha and Greek Traditions of translation, elucidate the importance of translation in popularising Buddhism.

4. Give your opinion on Tradition of Translation of Indian texts into Arabic and Persian.

5. Write in your own words the richness of American and Canadian Traditions of Translation.

6. Describe the contribution of age old traditions of translation to reduce the unfamiliarity between various societies and literatures.

7. Explain the significant contribution of translation in popularising Buddhism.

8. Shed light on the importance of translation tradition keeping in view the language proceedings of the fourth convention of Buddhists.

अनुवाद अध्ययन में एम.ए. (एम.ए.टी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2011

एम.टी.टी.-011 F2F : अनुवाद का इतिहास एवं परम्परा

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्नों के **अंक** बराबर हैं। कृपया **किन्हीं पाँच प्रश्नों** के उत्तर दें।*

1. भारत में अनुवाद की प्राचीनता की पड़ताल करते हुए अनुवाद परम्परा की समृद्धि में अनूदित प्राचीन ग्रन्थों की भूमिका का उल्लेख करें।

2. भारतीय ग्रन्थों के चीनी अनुवाद की परम्परा और इतिहास को रेखांकित करते हुए अनुवाद कार्य के महत्त्व पर अपनी राय स्पष्ट करें।

3. अनुवाद की बौद्ध परम्परा और ग्रीक परम्परा के सम्बन्ध को रेखांकित करते हुए, बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में अनुवाद का महत्त्व प्रतिपादित करें।

4. अरबी अथवा फारसी में भारतीय ग्रन्थों के अनुवाद परम्परा पर अपनी स्पष्ट राय दें।

5. अमेरिकी और कनाडाई अनुवाद परम्परा की समृद्धि का उल्लेख अपने शब्दों में करें।

6. समाजों और साहित्यों के बीच अपरिचय की स्थिति मिटाने में अनुवाद की प्राचीन परम्परा के योगदान की व्याख्या करें।

7. बौद्धधर्म के प्रचार-प्रसार में अनुवाद के महत्त्वपूर्ण योगदान की व्याख्या करें।

8. बौद्ध धर्म की चौथी संगीति की भाषाई कार्यवाही के मद्देनजर अनुवाद परम्परा के महत्त्व पर प्रकाश डालें।